Date:
P. No:

Chapter - 3
मुद्रा तथा साख

प्रश्न-1 वस्तु विनिमय प्रणाली किसे कहते है? इसके दोष लिखिए?

उत्तर वस्तुविनिमय प्रणाली :- बिना मुद्रा का उपयोग किए वस्तुओ और सेवाओ का आदान-प्रदान ही वस्तुविनिमय प्रणाली कहलाती है।

वस्तुविनिमय प्रणाली के दोष :-

(i) वस्तुविनिमय प्रणाली की सबसे बड़ी समस्या दो ऐसे व्यक्तियों का मिलना जिन्हे एक-दूसरे की वस्तु का आवश्यकता न हो।

(ii) वस्तुविनिमय की समस्या के अन्तर्गत क्रय शक्ति का संचय भविष्य के लिए नही किया जा सकता है।

(iii) इस प्रणाली में वस्तुओ के मूल्य का माप्त नही हो पाया।

प्रश्न-2 मुद्रा आवश्यकताओ के दोहरे सहयोग के किस तरह - सुलझाती है?

उत्तर मुद्रा विनिमय प्रणाली वस्तु विनिमय प्रणाली से अधिक श्रेष्ठ है। आवश्यकताओ के दोहरे सहयोग की समस्या वस्तु विनिमय की सबसे बड़ी समस्या है। यदि दो व्यक्तियो की एक-दूसरे की वस्तुओ की आवश्यकता न हो तो विनिमय होना असम्भव है।

उदाहरण के लिए यदि किसी जूते निर्माता को गेहूँ की आवश्यकता है, तो उसे

पहले ऐसा गेहूँ वाला ढूँढना होगा जिसके पास न केवल गेहूँ हो बल्कि उसे जूतों की भी आवश्यकता हो। मुद्रा का उपयोग करके इस समस्या का तुरंत समाधान किया जा सकता है।

VIMP
प्रश्न-3 ऋण के औपचारिक तथा अनौपचारिक स्त्रोतों में क्या अंतर है।

उत्तर ऋण के औपचारिक स्त्रोत :- ऋण के

(i) वे जो सरकार से पंजीकृत होते है, जिन पर देख-रेख सरकार रखती है। इनकी ब्याज दर कम होती है, औपचारिक स्त्रोत कहलाते है।

(ii) ऋण के अनौपचारिक स्त्रोत :- वे स्त्रोत जो द्वारा पंजीकृत नहीं होते तथा जिनके ब्याज की दर अधिक होती है, अनौपचारिक स्त्रोत कहलाते है।

उदा : साहूकार, व्यापारी, मालिक, रिश्तेदार, दोस्त, आदि।

प्रश्न-4 ऋणाधार से क्या तात्पर्य है?

उत्तर ऋणाधार ऐसी संपत्ति है, जिसका कर्जदार मालिक है, और इसका इस्तेमाल वह उधारदाता को गारंटी देने के रूप में करता है।

जब तक कि ऋण का भुगतान नहीं हो जाता, यदि कर्जदार ऋण चुकाने में असमर्थ रहता है, तो ऋणदाता को उस सम्पत्ति को बेचने का अधिकार होता है, जमीन, पशु, प्लॉट की रीजस्ट्री आदि ऋणाधार के उदाहरण है।

प्रश्न 5 क्या कारण है, कि बैंक कुछ कर्जदारों को कर्ज देने के लिए तैयार नहीं होती?

उत्तर (i) कुछ लोगों के पास बैंक में गिरवी रखने के लिए ऋणाधार नहीं होता।
(ii) कुछ लोग की मासिक सैलरी इतनी नहीं होती कि वे ऋण का भुगतान कर सके।
(iii) कुछ लोग पहले से ही उधारी के पंजो में जकड़े होते है इसलिए बैंक उन लोगों को और अधिक ऋण देना नहीं चाहती।

प्रश्न-6 जोखिम वाली परिस्थितियों में ऋण कर्जदार के लिए और समस्याएँ खड़ी कर सकता है? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में बहुत सी गतिविधियों में ऐसे बहुत से मौके होते है, जहाँ किसी न किसी रूप में ऋण का प्रयोग होता है। ग्रामीण क्षेत्रों में कर्ज फसल उगाने के लिए लेते है, किन्तु यदि किसी वजह से फसल बर्बाद हो जाती है, तो किसान के लिए कर्ज चुकाना असंभव होता है। इसी परिस्थिति में किसान अपनी जमीन का कुछ हिस्सा बेचने के

लिए मजबूर हो जाता है, इस प्रकार इस जोखिम वाली परिस्थिति में कर्जदार के लिए ऋण लेने से कई समस्याएँ उत्पन्न हो जाती है और उनकी कमाई बढ़ने की बजाए उनकी स्थिति और बदतर हो जाती है।

प्रश्न-7 मुद्रा किसे कहते है, इसके कार्य लिखिए।

उत्तर Imp मुद्रा :- वे समस्त वस्तुएँ मुद्रा में सम्मिलित की जाती है, जो विशेष समय अथवा स्थान में बिना सन्देह या जाँच पड़ताल के वस्तुओं एवं सेवाओं को खरीदने तथा व्यय के भुगतान के साधन के रूप में स्वीकार की जाती है।

मुद्रा के कार्य :- (i) मुद्रा वस्तुओं और सेवाओं के विनिमय का माध्यम है।

(ii) मूल्य का मापन भी मुद्रा के द्वारा ही किया जाता है।

(iii) मूल्य का संचय भविष्य के लिए मुद्रा के रूप में किया जाता है।

प्रश्न 8 भारतीय रिजर्व बैंक अन्य बैंक की गतिविधि पर किस तरह रखी जाती है यह क्यों आवश्यक है।

उत्तर भारतीय रिजर्व बैंक को बैंको का बैंक कहा जाता है, क्योंकि यह सभी बैंको पर ~~नजर~~ नजर रखता है।

Date:
P. No:

भारतीय रिजर्व बैंक भारत का केन्द्रीय बैंक है, जिसका कार्य बैंको की गतिविधि पर बैंक दर में परिवर्तन करके तथा खुले बाजार की प्रक्रिया द्वारा नजर रखता है।
यदि बैंको की गतिविधि पर नजर नही रखी जाए तथा उन्हे जिस प्रकार के चाहते है, कार्य करने की छूट दे दी जाए तो अर्थव्यवस्था की उन्नती कभी नही हो सकती

प्रश्न 9 चेक क्या है।
Imp उत्तर चेक एक ऐसा कागज है, जो बैंक को किसी भी व्यक्ति के खाते से (चेक पर लिखे नाम के) किसी दूसरे व्यक्ति को एक खास ~~रकम~~ रकम का भुगतान करने का आदेश देता है।

प्रश्न 10 ऋणदाता उधार देते समय ऋणाधार की माँग क्यो करता है?
उत्तर हर ऋण समझौते में ब्याज को दर निश्चित कर दी जाती है, जिसे कर्जदार कर्जदाता को मूल रकम के साथ अदा कर देता है, इसके अलावा उधारदाता कर्जदार से ऋण की माँग कर सकता है।
ऋणाधार ऐसी संपत्ति है, जिसका कर्जदार मालिक होता है, और वह गारंटी के रूप में कर्जदाता के पास जमा करता है जब तक कि ऋण का भुगतान नही हो जाता यदि कर्जदार उधार वापस नही कर पाता तो कर्जदाता को भुगतान प्राप्ति के लिए

Date:
P. No:

कर्जदार की सम्पत्ति बेचने का अधिकार होता है, इसलिए उधारदाता उधार देते समय समर्थक ऋणाधार की माँग करता है।

प्रश्न 11 ऋण की शर्तें किसे कहते हैं?

ब्याज दर समर्थक ऋणाधार, आवश्यक कागजात और भुगतान के तरीके को सम्मिलित रूप से ऋण की शर्तें कहा जाता है।

प्रश्न 12 अतिरिक्त मुद्रा वाले लोगों और जरूरतमंद लोगों लोगों के बीच किस तरह मध्यस्थता करते हैं?

उत्तर अतिरिक्त मुद्रा वाले व्यक्ति अपनी मुद्रा को बैंकों में अपने नाम से खाता खोलकर जमा कर देते हैं, बैंक इस रकम को स्वीकारते हैं, और उस पर ब्याज भी देती है इस तरह लोगों की मुद्रा बैंकों के पास सुरक्षित रहती है, लोगों को इसमें से जब चाहे मुद्रा निकालने की सुविधा भी प्रदान की जाती है। बैंक जमा राशि के प्रमुख भाग को कर्ज देने के लिए इस्तेमाल करते हैं। तथा कर्ज पर ब्याज की दर अधिक होती है, इस तरह अतिरिक्त मुद्रा वाले लोगों और जरूरतमंद लोगों के बीच के बीच बैंक मध्यस्थता करते हैं।

प्रश्न 13 हमें भारत में ऋण के औपचारिक स्रोतों को बढ़ाने की जरूरत क्यों है?

Date:
P. No:

उत्तर लोन के वे स्त्रोत जो सरकार द्वारा पंजीकृत होते है अौपचारिक स्त्रोत कहलाते है।
बैंक तथा सहकारी समितियाँ,

उत्तर हमें भारत में ऋण के अौपचारिक स्त्रोतो को बढ़ाने की आवश्यकता है, इसके निम्न कारण है।

(i) प्रत्येक व्यक्ति बैंक से कम ब्याज दर पर ऋण प्राप्त कर सकता है।

(ii) ऋण का भुगतान अगले तीन वर्षो में किया जा सकता है

(iii) ऋण अनौपचारिक स्त्रोत सकार द्वारा पंजीकृत नही होते और ब्याज दर अधिक होती है, एवं साधारण ब्याज की बजाह चक्रवर्ती ब्याज लगता है।

प्रश्न 14 मांग जमा को मुद्रा क्यो समझा जाता है

उत्तर मांग जमा में मुद्रा के अनिवार्य लक्षण मिलते है मांग जमाओ को मुद्रा के साथ-साथ बड़े स्तर भुगतान का माध्यम स्वीकार किया जाता है, इसलिए आधुनिक अर्थव्यवस्था में इसे मुद्रा भी समझा जाता है।

लोगो को अपनी आवश्यकता के अनुसार अपनी जमा रकम से धन निकालने की सुविधा भी उपलब्ध होता है, बैंक खाते में जमा धन को मांग के जरिए निकाला जा सकता है, इसलिए इस जमा को मांग जमा कहा जाता है।

Date:
P. No:

प्रश्न 15 विकास में ऋण की भूमिका का विश्लेषण कीजिए।

उत्तर सभी व्यवसायिक क्रियाओं का विकास एक अच्छी ऋण प्रणाली पर निर्भर करता है। ऋण व्यवसायिक क्रियाओं को कच्चे माल कार्यशील पूंजी आदि से संबंधित है, आवश्यकताओं को सन्तुष्ट करता है. इसी कारण व्यवसाय में लाभ होता है अर्थ, आय में वृद्धि होती होती है जिससे राष्ट्रीय आय में भी वृद्धि होती है, जो कि विकास का सूचक है।

प्रश्न 16 गरीबो के लिए स्वसहायता समूह के संगठनो के पीछे मूल विचार क्या है। अपने शब्दो में व्याख्या कीजिए।

उत्तर स्वसहायता समूह ग्रामीण क्षेत्रो में महिलाओ द्वारा बनाया गया एक स्वैच्छिक संगठन है। इसमे अधिकतम सदस्या संख्या 20 हो सकती है, समूह के सदस्य छोटी - छोटी बचतो को एकत्रित करते है। इस समूह का मूल उद्देश्य है:-

(i) साहुकार, जमीदार आदि से कर्ज लेने से बचना।

(ii) आवश्यकता होने पर समूह में से ही आर्थिक सहायता लेना।

(iii) सामाजिक, आर्थिक और पारिवारिक समस्याओं के बारे में समूह में चर्चा करना तथा समस्या का समाधान खोजना।